



INTERNATIONAL JOURNAL OF TRENDS IN EMERGING RESEARCH AND DEVELOPMENT

INTERNATIONAL JOURNAL OF TRENDS IN EMERGING RESEARCH AND DEVELOPMENT

Volume 4; Issue 3; 2026; Page No. 265-268

Received: 10-02-2026

Accepted: 23-03-2026

Published: 13-05-2026

सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की अध्ययन आदतों एवं शैक्षणिक प्रदर्शन पर प्रभाव

¹Sunita Rani and ²Dr. Jayotsna

¹Research Scholar, Department of Education, Monad University, Hapur, Uttar Pradesh, India

²Assistant Professor, Department of Education, Monad University, Hapur, Uttar Pradesh, India

DOI: <https://doi.org/10.5281/zenodo.23259669>

Corresponding Author: Sunita Rani

सारांश

वर्तमान समय में शिक्षा के क्षेत्र में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का महत्व निरंतर बढ़ता जा रहा है। आधुनिक शिक्षा प्रणाली में डिजिटल साधनों, ऑनलाइन शिक्षण, ई-पुस्तकों, स्मार्ट कक्षाओं तथा इंटरनेट आधारित अध्ययन सामग्री का व्यापक उपयोग किया जा रहा है। सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी ने शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को अधिक प्रभावी, सरल एवं छात्र केंद्रित बना दिया है। प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की अध्ययन आदतों एवं शैक्षणिक प्रदर्शन पर सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के प्रभाव का अध्ययन करना है। बी.एड. प्रशिक्षणार्थी भविष्य के शिक्षक होते हैं, इसलिए उनके लिए तकनीकी दक्षता अत्यंत आवश्यक है। वर्तमान समय में शिक्षक केवल पारंपरिक शिक्षण विधियों तक सीमित नहीं रह सकता, बल्कि उसे डिजिटल संसाधनों का प्रभावी उपयोग भी करना आवश्यक है। अध्ययन में यह पाया गया कि सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के प्रयोग से विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों में सकारात्मक परिवर्तन आया है। ऑनलाइन अध्ययन सामग्री, वीडियो व्याख्यान, डिजिटल पुस्तकालय तथा शैक्षिक अनुप्रयोगों के माध्यम से विद्यार्थियों को अध्ययन सामग्री शीघ्र एवं सरलता से उपलब्ध हो जाती है। अध्ययन में यह भी स्पष्ट हुआ कि सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के प्रयोग से विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि में वृद्धि हुई है। तकनीकी साधनों ने विद्यार्थियों में स्व-अध्ययन, समय प्रबंधन तथा नियमित अध्ययन की प्रवृत्ति विकसित की है। अधिकांश विद्यार्थियों ने स्वीकार किया कि डिजिटल माध्यमों से अध्ययन अधिक रुचिकर तथा प्रभावी बनता है। दृश्य-श्रव्य सामग्री के माध्यम से कठिन विषयों को भी आसानी से समझा जा सकता है। हालांकि अध्ययन में कुछ समस्याएँ भी सामने आईं। कुछ विद्यार्थियों ने इंटरनेट की समस्या, तकनीकी संसाधनों की कमी तथा सामाजिक माध्यमों के कारण ध्यान भटकने जैसी कठिनाइयों का उल्लेख किया। इसके बावजूद अधिकांश विद्यार्थियों ने सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी को अध्ययन एवं शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए उपयोगी माना। अध्ययन के निष्कर्षों से यह स्पष्ट होता है कि सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की अध्ययन आदतों एवं शैक्षणिक प्रदर्शन को सकारात्मक रूप से प्रभावित करती है। यदि तकनीकी साधनों का संतुलित एवं उद्देश्यपूर्ण उपयोग किया जाए तो शिक्षा की गुणवत्ता में महत्वपूर्ण सुधार किया जा सकता है। शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों को विद्यार्थियों में तकनीकी दक्षता विकसित करने तथा डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध करानी चाहिए।

मूलशब्द: सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी, अध्ययन आदतें, शैक्षणिक प्रदर्शन, बी.एड. प्रशिक्षणार्थी, डिजिटल शिक्षा, ऑनलाइन शिक्षण, स्व-अध्ययन, तकनीकी दक्षता।

प्रस्तावना

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के विकास ने मानव जीवन के प्रत्येक क्षेत्र को प्रभावित किया है। शिक्षा के क्षेत्र में भी सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी ने महत्वपूर्ण परिवर्तन किए हैं। वर्तमान समय में शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया पारंपरिक पद्धतियों से आगे बढ़कर डिजिटल माध्यमों पर आधारित होती जा रही है। विद्यालयों, महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों में ऑनलाइन शिक्षण, स्मार्ट

कक्षाएँ, डिजिटल पुस्तकालय, ई-पुस्तकें तथा इंटरनेट आधारित अध्ययन सामग्री का प्रयोग तेजी से बढ़ रहा है।

बी.एड. प्रशिक्षणार्थी भविष्य के शिक्षक होते हैं। इसलिए उनके लिए सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का ज्ञान अत्यंत आवश्यक है। यदि शिक्षक प्रशिक्षण स्तर पर ही तकनीकी दक्षता विकसित कर ली जाए तो भविष्य में शिक्षण प्रक्रिया अधिक प्रभावी बनाई जा सकती है। आज के समय में शिक्षक को केवल विषय ज्ञान ही

नहीं, बल्कि तकनीकी ज्ञान भी होना चाहिए ताकि वह विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षण विधियों के माध्यम से शिक्षित कर सके। अध्ययन आदतें किसी भी विद्यार्थी की शैक्षणिक सफलता का आधार होती हैं। नियमित अध्ययन, समय प्रबंधन, पुनरावृत्ति, अनुशासन तथा अध्ययन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अच्छी अध्ययन आदतों के प्रमुख तत्व हैं। सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी इन आदतों को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। डिजिटल साधनों के माध्यम से विद्यार्थी किसी भी समय एवं स्थान पर अध्ययन कर सकते हैं। इससे उनमें स्व-अध्ययन तथा आत्मनिर्भरता की भावना विकसित होती है। इसके अतिरिक्त सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी विद्यार्थियों के शैक्षणिक प्रदर्शन को भी प्रभावित करती है। ऑनलाइन अध्ययन सामग्री, वीडियो व्याख्यान तथा दृश्य-श्रव्य माध्यम कठिन विषयों को सरल एवं स्पष्ट रूप में प्रस्तुत करते हैं। इससे विद्यार्थियों की समझने की क्षमता तथा शैक्षणिक उपलब्धि में वृद्धि होती है। हालाँकि सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के कुछ नकारात्मक प्रभाव भी देखने को मिलते हैं। अत्यधिक मोबाइल उपयोग, सामाजिक माध्यमों की लत तथा मनोरंजन संबंधी सामग्री विद्यार्थियों का ध्यान अध्ययन से भटका सकती है। इंटरनेट की अनुपलब्धता तथा तकनीकी संसाधनों की कमी भी शिक्षण प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न करती है। प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की अध्ययन आदतों एवं शैक्षणिक प्रदर्शन पर सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के प्रभाव का अध्ययन करना है। यह अध्ययन डिजिटल शिक्षा की उपयोगिता तथा शिक्षक प्रशिक्षण में तकनीकी साधनों के महत्व को स्पष्ट करने में सहायक सिद्ध होगा।

अध्ययन की पृष्ठभूमि

भारतीय शिक्षा प्रणाली में तकनीकी विकास के कारण व्यापक परिवर्तन हुए हैं। नई शिक्षा नीति में डिजिटल शिक्षा को विशेष महत्व दिया गया है। महामारी के समय ऑनलाइन शिक्षण की आवश्यकता ने सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के महत्व को और अधिक बढ़ा दिया। उस समय विद्यार्थियों तथा शिक्षकों दोनों को डिजिटल माध्यमों पर निर्भर रहना पड़ा। इससे यह स्पष्ट हुआ कि आधुनिक शिक्षा प्रणाली में तकनीकी साधनों का ज्ञान अत्यंत आवश्यक है।

बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के लिए सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का महत्व इसलिए भी अधिक है क्योंकि वे भविष्य में शिक्षण कार्य करेंगे। यदि प्रशिक्षण स्तर पर ही तकनीकी दक्षता विकसित हो जाए तो वे विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षण विधियों के माध्यम से प्रभावी शिक्षा प्रदान कर सकते हैं। वर्तमान समय में शिक्षकों को डिजिटल संसाधनों का प्रयोग करना आवश्यक हो गया है।

अध्ययन आदतें विद्यार्थियों की शैक्षणिक सफलता का महत्वपूर्ण आधार होती हैं। सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी विद्यार्थियों को अध्ययन सामग्री, ई-पुस्तकें, वीडियो व्याख्यान तथा विभिन्न शैक्षिक अनुप्रयोग उपलब्ध कराती है। इससे विद्यार्थियों की अध्ययन रुचि एवं अध्ययन निरंतरता में वृद्धि होती है।

कई शोधों में यह पाया गया है कि तकनीकी साधनों का उचित उपयोग विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि तथा अध्ययन व्यवहार को सकारात्मक रूप से प्रभावित करता है। दूसरी ओर अत्यधिक मोबाइल उपयोग तथा सामाजिक माध्यमों का प्रभाव अध्ययन में बाधा भी उत्पन्न कर सकता है। इसलिए यह आवश्यक है कि बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की अध्ययन आदतों एवं शैक्षणिक प्रदर्शन पर सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के प्रभाव का अध्ययन किया जाए। प्रस्तुत अध्ययन इसी आवश्यकता को ध्यान में रखकर किया गया है ताकि यह ज्ञात किया जा सके कि सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की अध्ययन आदतों एवं शैक्षणिक उपलब्धि को किस प्रकार प्रभावित कर रही है।

उद्देश्य

- बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की अध्ययन आदतों पर सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के प्रभाव का अध्ययन करना।
- बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के शैक्षणिक प्रदर्शन पर सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के प्रभाव का अध्ययन करना।
- अध्ययन में तकनीकी साधनों के उपयोग की स्थिति का विश्लेषण करना।
- सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के माध्यम से विद्यार्थियों में विकसित स्व-अध्ययन की प्रवृत्ति का अध्ययन करना।
- अध्ययन प्रक्रिया में डिजिटल संसाधनों की उपयोगिता का मूल्यांकन करना।
- सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के उपयोग में आने वाली समस्याओं एवं बाधाओं का अध्ययन करना।

परिकल्पनाएँ

- सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की अध्ययन आदतों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।
- तकनीकी साधनों का उपयोग करने वाले प्रशिक्षणार्थियों का शैक्षणिक प्रदर्शन अधिक प्रभावी होता है।
- सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी विद्यार्थियों में स्व-अध्ययन की प्रवृत्ति विकसित करती है।

संबंधित साहित्य की समीक्षा

शर्मा (2019) [7] शर्मा ने विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों पर सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के प्रभाव का अध्ययन किया। शोध में पाया गया कि डिजिटल शिक्षण सामग्री, ऑनलाइन अध्ययन संसाधन तथा वीडियो आधारित शिक्षण से विद्यार्थियों की अध्ययन रुचि में वृद्धि हुई। अध्ययन के परिणामों से यह भी स्पष्ट हुआ कि तकनीकी साधनों का प्रयोग विद्यार्थियों की अध्ययन निरंतरता तथा शैक्षणिक उपलब्धि को सकारात्मक रूप से प्रभावित करता है। शोधकर्ता ने निष्कर्ष निकाला कि सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी आधुनिक शिक्षा प्रणाली का महत्वपूर्ण अंग बन चुकी है तथा यह अध्ययन प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाती है।

सिंह एवं वर्मा (2020) [6] सिंह एवं वर्मा ने बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की अध्ययन आदतों एवं तकनीकी दक्षता के मध्य संबंध का अध्ययन किया। अध्ययन में पाया गया कि तकनीकी साधनों का नियमित उपयोग करने वाले प्रशिक्षणार्थियों की अध्ययन आदतें अधिक व्यवस्थित एवं प्रभावी होती हैं। शोधकर्ताओं ने यह भी पाया कि ऑनलाइन अध्ययन सामग्री एवं ई-पुस्तकों ने विद्यार्थियों में स्व-अध्ययन तथा आत्मनिर्भरता की भावना विकसित की। अध्ययन के निष्कर्षों से यह स्पष्ट हुआ कि सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को अधिक सरल एवं आकर्षक बनाती है।

गुप्ता (2021) [3] गुप्ता ने शिक्षक शिक्षा में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी की भूमिका का अध्ययन किया। अध्ययन का उद्देश्य यह जानना था कि तकनीकी साधनों का प्रयोग प्रशिक्षणार्थियों के शैक्षणिक प्रदर्शन को किस प्रकार प्रभावित करता है। शोध में पाया गया कि डिजिटल शिक्षण सामग्री एवं ऑनलाइन माध्यमों के उपयोग से विद्यार्थियों की समझने की क्षमता तथा समस्या समाधान कौशल में वृद्धि हुई। शोधकर्ता ने निष्कर्ष निकाला कि सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों एवं शैक्षणिक उपलब्धि में सकारात्मक परिवर्तन लाती है।

चौहान एवं मिश्रा (2022) [4] चौहान एवं मिश्रा ने महाविद्यालयीन विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों पर ऑनलाइन शिक्षण के प्रभाव का अध्ययन किया। अध्ययन में यह पाया गया कि डिजिटल माध्यमों से विद्यार्थियों की अध्ययन निरंतरता तथा समय प्रबंधन क्षमता में सुधार हुआ। विद्यार्थियों ने ऑनलाइन अध्ययन सामग्री

को अधिक उपयोगी एवं सुविधाजनक माना। शोधकर्ताओं ने निष्कर्ष निकाला कि सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी विद्यार्थियों की अध्ययन प्रक्रिया को अधिक संगठित एवं प्रभावशाली बनाती है। यादव (2023) [5] यादव ने बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के उपयोग एवं शैक्षणिक उपलब्धि का अध्ययन किया। अध्ययन के परिणामों से ज्ञात हुआ कि तकनीकी साधनों का नियमित उपयोग करने वाले विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि अधिक होती है। विद्यार्थियों में स्व-अध्ययन, नियमित पुनरावृत्ति तथा अध्ययन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित हुआ। शोधकर्ता ने निष्कर्ष निकाला कि सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

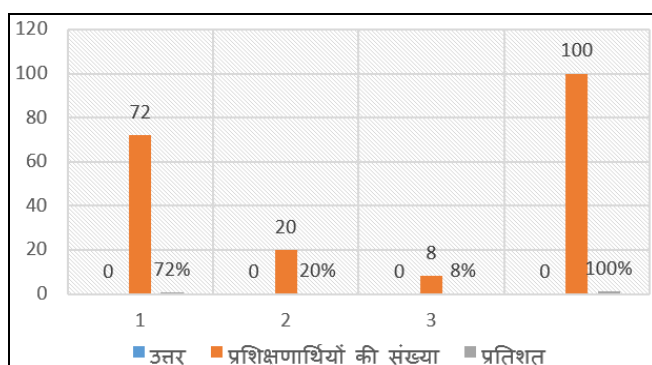
शोध पद्धति

1. **शोध की प्रकृति:** प्रस्तुत अध्ययन वर्णनात्मक सर्वेक्षण पद्धति पर आधारित है।
2. **अध्ययन का क्षेत्र:** अध्ययन बी.एड. महाविद्यालयों में अध्ययनरत प्रशिक्षणार्थियों तक सीमित रहा।
3. **जनसंख्या:** अध्ययन की जनसंख्या में बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों को सम्मिलित किया गया।
4. **निर्दर्शन:** अध्ययन हेतु 100 प्रशिक्षणार्थियों का चयन किया गया।
5. **निर्दर्शन विधि:** सरल दैव निर्दर्शन विधि का प्रयोग किया गया।
6. **शोध उपकरण:** प्रश्नावली का उपयोग किया गया।
7. **तथ्य संकलन विधि:** तथ्यों का संकलन प्रश्नावली एवं प्रत्यक्ष संपर्क द्वारा किया गया।
8. **आँकड़ों का विश्लेषण:** प्राप्त आँकड़ों का विश्लेषण प्रतिशत विधि द्वारा किया गया।

आँकड़ों का विश्लेषण

तालिका 1: अध्ययन में तकनीकी साधनों के उपयोग की स्थिति

क्रम संख्या	उत्तर	प्रशिक्षणार्थियों की संख्या	प्रतिशत
1	नियमित उपयोग	72	72%
2	कभी-कभी उपयोग करते हैं, जबकि केवल 8% प्रशिक्षणार्थी तकनीकी साधनों का उपयोग नहीं करते। इससे स्पष्ट होता है कि अधिकांश प्रशिक्षणार्थी अध्ययन हेतु डिजिटल साधनों पर	20	20%
3	उपयोग नहीं	8	8%
	कुल	100	100%



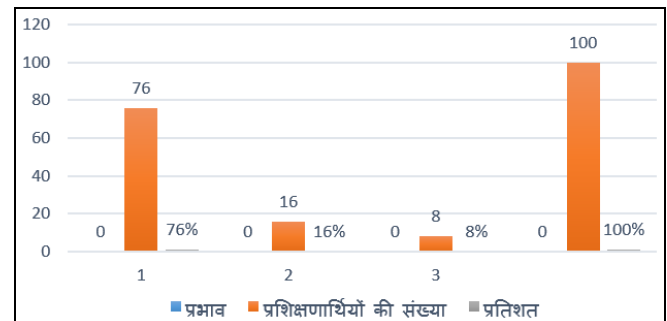
व्याख्या

तालिका से स्पष्ट होता है कि 72% प्रशिक्षणार्थी नियमित रूप से तकनीकी साधनों का उपयोग करते हैं। 20% प्रशिक्षणार्थी कभी-कभी उपयोग करते हैं, जबकि केवल 8% प्रशिक्षणार्थी तकनीकी साधनों का उपयोग नहीं करते। इससे स्पष्ट होता है कि अधिकांश प्रशिक्षणार्थी अध्ययन हेतु डिजिटल साधनों पर

निर्भर हैं।

तालिका 2: शैक्षणिक प्रदर्शन पर सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का प्रभाव

क्रम संख्या	प्रभाव	प्रशिक्षणार्थियों की संख्या	प्रतिशत
1	सकारात्मक प्रभाव	76	76%
2	सामान्य प्रभाव	16	16%
3	नकारात्मक प्रभाव	8	8%
	कुल	100	100%



व्याख्या

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट होता है कि 76% प्रशिक्षणार्थियों ने माना कि सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी ने उनके शैक्षणिक प्रदर्शन को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया है। 16% प्रशिक्षणार्थियों ने सामान्य प्रभाव बताया, जबकि 8% ने नकारात्मक प्रभाव अनुभव किया। इससे स्पष्ट होता है कि तकनीकी साधनों का शैक्षणिक उपलब्धि पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

चर्चा

प्रस्तुत अध्ययन के परिणामों से यह स्पष्ट होता है कि सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी ने बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की अध्ययन आदतों एवं शैक्षणिक प्रदर्शन को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया है। अधिकांश विद्यार्थियों ने अध्ययन के लिए तकनीकी साधनों का नियमित उपयोग करना स्वीकार किया। इससे यह स्पष्ट होता है कि डिजिटल शिक्षा वर्तमान शिक्षा प्रणाली का महत्वपूर्ण अंग बन चुकी है।

अध्ययन में यह पाया गया कि ऑनलाइन अध्ययन सामग्री, वीडियो व्याख्यान, ई-पुस्तकों तथा डिजिटल पुस्तकालयों के प्रयोग से विद्यार्थियों की अध्ययन रुचि में वृद्धि हुई है। विद्यार्थी किसी भी समय एवं स्थान पर अध्ययन कर सकते हैं, जिससे उनमें स्व-अध्ययन की भावना विकसित हुई। तकनीकी साधनों ने अध्ययन प्रक्रिया को अधिक सरल एवं प्रभावी बनाया है।

शोध में यह भी पाया गया कि सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी ने विद्यार्थियों के शैक्षणिक प्रदर्शन में सुधार किया है। दृश्य-श्रव्य माध्यमों के द्वारा कठिन विषयों को आसानी से समझा जा सकता है। इससे विद्यार्थियों की समझने की क्षमता तथा स्मरण शक्ति में वृद्धि हुई है।

हालाँकि कुछ विद्यार्थियों ने ध्यान भटकने, इंटरनेट की समस्या तथा तकनीकी संसाधनों की कमी जैसी कठिनाइयों का उल्लेख किया। इसके बावजूद अधिकांश विद्यार्थियों ने सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी को अध्ययन एवं शैक्षणिक उपलब्धि के लिए उपयोगी माना।

इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि यदि तकनीकी साधनों का संतुलित एवं उद्देश्यपूर्ण उपयोग किया जाए तो वे विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों एवं शैक्षणिक प्रदर्शन में महत्वपूर्ण सुधार ला सकते हैं। शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों को चाहिए कि वे विद्यार्थियों को तकनीकी साधनों के उचित उपयोग के लिए प्रेरित करें।

निष्कर्ष

प्रस्तुत अध्ययन से यह निष्कर्ष निकलता है कि सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की अध्ययन आदतों एवं शैक्षणिक प्रदर्शन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। वर्तमान समय में तकनीकी साधन शिक्षा का महत्वपूर्ण भाग बन चुके हैं और विद्यार्थी अध्ययन के लिए इनका निरंतर उपयोग कर रहे हैं।

अध्ययन से यह स्पष्ट हुआ कि तकनीकी साधनों के प्रयोग से विद्यार्थियों की अध्ययन रुचि, अध्ययन निरंतरता तथा स्व-अध्ययन की प्रवृत्ति में वृद्धि हुई है। ऑनलाइन अध्ययन सामग्री तथा दृश्य-श्रव्य माध्यमों ने अध्ययन प्रक्रिया को अधिक सरल एवं प्रभावी बनाया है। विद्यार्थियों की समझने की क्षमता तथा शैक्षणिक उपलब्धि में भी सुधार देखा गया।

अध्ययन में यह भी पाया गया कि तकनीकी साधनों के प्रयोग से विद्यार्थियों में आत्मनिर्भरता, समय प्रबंधन तथा नियमित अध्ययन की आदत विकसित हुई है। डिजिटल संसाधनों ने विद्यार्थियों को नवीन ज्ञान प्राप्त करने में सहायता प्रदान की है।

हालाँकि कुछ नकारात्मक प्रभाव भी सामने आए, जैसे सामाजिक माध्यमों के कारण ध्यान भटकना तथा इंटरनेट संबंधी समस्याएँ। इसलिए विद्यार्थियों को तकनीकी साधनों के संतुलित उपयोग के प्रति जागरूक करना आवश्यक है।

अंततः यह कहा जा सकता है कि सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी आधुनिक शिक्षा प्रणाली की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के लिए तकनीकी दक्षता अत्यंत आवश्यक है क्योंकि वे भविष्य के शिक्षक हैं। यदि शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों में डिजिटल शिक्षा को प्रभावी रूप से लागू किया जाए तो शिक्षा की गुणवत्ता में महत्वपूर्ण सुधार किया जा सकता है।

संदर्भ

1. अग्रवाल JC. शैक्षिक प्रौद्योगिकी एवं शिक्षण विधियाँ. नई दिल्ली: विकास प्रकाशन; c2020.
2. चौहान SS. आधुनिक शिक्षा और सूचना प्रौद्योगिकी. आगरा: विनोद पुस्तक मंदिर; c2019.
3. गुप्ता R. शिक्षक शिक्षा में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी की भूमिका. भारतीय शिक्षा शोध पत्रिका. 2021;15(2):45-52.
4. मिश्रा P, शर्मा V. ऑनलाइन शिक्षण का विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों पर प्रभाव. शिक्षा और समाज. 2022;10(4):65-72.
5. यादव A. बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि पर सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का प्रभाव. आधुनिक शिक्षा समीक्षा. 2023;8(1):21-30.
6. सिंह RP. सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी और शिक्षा. नई दिल्ली: राधा पब्लिकेशन; c2020.
7. शर्मा M. डिजिटल शिक्षा और अध्ययन आदतों का विकास. भारतीय शैक्षिक अनुसंधान पत्रिका. 2019;12(3):33-40.
8. वर्मा S, गुप्ता K. ई-लर्निंग का शिक्षक प्रशिक्षण पर प्रभाव. समकालीन शिक्षा शोध पत्रिका. 2021;14(1):56-63.
9. पांडेय R. शिक्षा में कंप्यूटर एवं सूचना प्रौद्योगिकी. प्रयागराज: साहित्य भवन; c2022.
10. त्रिपाठी D. तकनीकी आधारित शिक्षण एवं अधिगम प्रक्रिया. राष्ट्रीय शिक्षा जर्नल. 2020;9(2):41-48.
11. कुमार A. शिक्षा में सूचना प्रौद्योगिकी का प्रयोग. नई दिल्ली: ए.पी.एच. पब्लिशिंग; c2021.
12. जोशी L. अध्ययन आदतों के विकास में डिजिटल माध्यमों की भूमिका. भारतीय मनोवैज्ञानिक अध्ययन पत्रिका.

2018;6(3):77-84.

13. सक्सेना P. उच्च शिक्षा में ऑनलाइन अध्ययन की उपयोगिता. उच्च शिक्षा समीक्षा. 2022;11(2):29-36.
14. तिवारी N, सिंह M. सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी आधारित शिक्षण की प्रभावशीलता. शैक्षिक चिंतन. 2023;17(1):15-24.
15. राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद. विद्यालयी शिक्षा में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का उपयोग. नई दिल्ली: एन.सी.ई.आर.टी.; c2020.

Creative Commons (CC) License

This article is an open access article distributed under the terms and conditions of the Creative Commons Attribution (CC BY 4.0) license. This license permits unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original author and source are credited.